(एक) अंकलेश्वर, अहवा और खेडा में तीन नए तार घर खोले जाने हैं—पहले दो, 1992-93 में और तीसरा, 1993-94 में खोला जाएगा ।

(दो) 13 चुनिन्दे स्थानों पर जिनके ब्यौरे संलग्न विवरण में दिए गए हैं विभिन्न आकार की कम्प्यूटर पर आधारित तार प्रणालियां प्रदान की जानी हैं ।

**विवरण**

**गुजरात सर्किल में तार प्रणालियों को आधुनिक बनाने के लिए चुनिन्दे स्थान**

| क्रम सं० | स्थानों के नाम |
|---|---|
| 1. | अहमदाबाद |
| 2. | आनन्द |
| 3. | भडौच |
| 4. | बडोदरा |
| 5. | भावनगर |
| 6. | बिल्लीमोरा |
| 7. | बलसाड |
| 8. | गोधरा |
| 9. | जामनगर |
| 10. | नडियाड |
| 11. | राजकोट |
| 12. | सूरत |
| 13. | वापी |

**गुजरात दूरभाष क्षेत्र में नए पदों का सृजन किया जाना**

2200. **श्री राम सिंह राठवा :** क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गुजरात क्षेत्र के लिए उन पदों की संख्या कितनी है जिनके लिए औचित्य दिया गया है और उनका श्रेणीवार ब्यौरा क्या है,

(ख) नव-सृजित पदों की संख्या कितनी है,

(ग) उन पदों के न भरे जाने के कारण क्या है जिनके लिए औचित्य दिया गया है, और

(घ) सरकार उन नए पदों के सृजन के लिए क्या कार्यवाही कर रही है जिनके लिए औचित्य पहले ही दिया जा चुका है ?

**संचार मंत्रालय में उप मंत्री (श्री पी. वी. रंगैया नायडू) :**

(क) अद्यतन औचित्य के अनुसार गुजरात क्षेत्र अर्थात् गुजरात दूरसंचार सर्किल के लिए श्रेणीवार अतिरिक्त पदों की संख्या निम्नलिखित है :—

| | |
|---|---|
| निदेशक दूरसंचार | 4 |
| निदेशक लेखा | 3 |
| मण्डल इंजीनियर (दूरसंचार) | 2 |
| मुख्य लेखा अधिकारी | 5 |
| कनिष्ठ दूरसंचार अधिकारी | 152 |
| केबल स्प्लाईरस | 38 |
| मोटर ड्राईवर | 14 |
| समूह "घ" | 9 |
| अवर श्रेणी लिपिक/उ० श्रे० लि० | 9 |
| दूरसंचार लेखा लिपिक | 39 |
| हिन्दी अनुवादक हिन्दी टंकक | 17 |

| | |
|---|---|
| आशुलिपिक ग्रेड II | 3 |
| दूरसंचार कार्यालय सहायक | 137 |
| लेखा अधिकारी | 2 |
| कनिष्ठ लेखा अधिकारी | 5 |
| जोड़ : | 439 |

(खंड) उपर्युक्त तर्कसंगत पदों में से 175 पद सृजित किए जा चुके हैं।

| | |
|---|---|
| (निदेशक दूरसंचार, | 4 |
| निदेशक लेखा | 2 |
| मण्डल इंजीनियर | 2 |
| कनिष्ठ दूरसंचार अधिकारी | 97 |
| केबल सप्लाईसर | 38 |
| मोटर ड्राइवर | 14 |
| समूह "घ" | 9 |
| अ० श्रे० लि०/उ० श्रे० लि० | 9) |

(ग) और (घ) : 1-4-1992 की स्थिति के अनुसार देश में प्रति एक हजार टेलीफोनों के लिए नियोजित कर्मचारियों की संख्या 83 है। यह संख्या विश्व के लगभग सभी देशों की तुलना में कहीं ज्यादा है जहां यह संख्या 5 से 30 के बीच है। विभाग, नेटवर्क में आधुनिक प्रौद्योगिकी अधिष्ठापित करने के लिए कार्रवाई कर रहा है जिससे कर्मचारियों की आवश्यकता कम हो जाएगी और साथ ही स्टाफ की उत्पादकता में वृद्धि करने के लिए मौजूदा स्टाफ को प्रशिक्षित तथा पुनः प्रशिक्षित की जरूरत भी नहीं होगी। इस उद्देश्य को दृष्टि में रखते हुए, नियोजित व्यक्तियों की कुल संख्या स्थिर हो गई है और नए पद मार्ग निर्देशानुसार सेवा निवृत्ति आदि के कारण मौजूदा स्टाफ में हुई कमी की सीमा तक ही स्वीकृत किए जाते हैं।

**उत्तर प्रदेश में दूरभाष केन्द्रों का आधुनिकीकरण**

2201. **श्री ईश दत्त यादव** : क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार आठवीं पंचवर्षीय योजनावधि के दौरान उत्तर प्रदेश में दूरभाष केन्द्रों का विकास/आधुनिकीकरण करने का विचार रखती है, और

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है?

**संचार मंत्रालय में उप मंत्री (श्री पी. वी. रंगैया नायडू)** :

(क) जी हां।

(ख) 8वीं योजना अवधि के दौरान उत्तर प्रदेश दूरसंचार सर्किल में अधिकांशतः इलेक्ट्रानिक उपस्कर द्वारा लगभग 1,75,000 लाइनों को बदलना। उन्हें आटोमेटिक बनाने के अतिरिक्त लगभग 5,30,000 लाइनों की वृद्धि किए जाने पर विचार किया गया है। आधुनिकीकरण कार्यक्रम में निम्नलिखित शामिल हैं :

— मार्च, 1994 तक नेटवर्क को पूरी तरह आटोमेटिक बनाना

— मियाद समाप्त और जीर्ण-शीर्ष उपस्करों के स्थान पर इलेक्ट्रानिक उपस्कर लगाना

— 8वीं योजना अवधि के दौरान व्यवहारिक रूप से सभी डिजिटल